2. विभाग के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2021–22 हेतु प्रस्तावित प्रमुख एस0डी0जी0 –

संकेतक–7.1 :ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों का ग्रामीण घरों के सापेक्ष प्रतिशत

क्र0 सं0	योजना	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		1.04.2020 की स्थिति (भौतिक)	31.3.2021 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
1	केन्द्र पोषित–स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)	राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के समस्त शौचालयविहीन परिवारों को व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण से आच्छादित करना।	-	-	99.90 % (राज्य के कुल 1562046 ग्रामीण परिवारों में से 1559287 ग्रामीण परिवार व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण से आच्छादित किए गये हैं।)	100 % (वित्तीय वर्ष 2020–21 में 11914 व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराया जाना संभावित है। इस प्रकार राज्य के कुल 1571201 ग्रामीण परिवार व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों से आच्छादित हो जायेंगे)	100 % (खुले में शौच की प्रथा से मुक्ति के स्थायित्व को बनाये रखने हेतु Retrofitting से सम्बन्धित कार्य कराये जायेंगे।)	100% (खुले में शौच की प्रथा से मुक्ति का स्थायित्व सुनिश्चित किया जा सकेगा।)	31 मार्च 2022

संकेतक–7.2 : राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्यों से लाभान्वित ग्रामीण परिवारों का अनुपात

क्र0 सं 0	योजना	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		1.04.2020 की स्थिति (भौतिक)	31.3.2021 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
1	स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण	ओ0डी0एफ0 प्लस के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्यो को वृहद स्तर पर किया जाना।	₹449.00 लाख (आई0ई0सी0 एवं प्रशासनिक व्ययों हेतु अनुमन्य 4 प्रतिशत धनराशि)	₹11983.00 लाख का बजट प्रस्तावित किया गया है।	10.45% (राज्य कुल कुल ग्रामीण परिवार 15,62,046 के सापेक्ष क्रमिक1,63,300 परिवार ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्यों से लाभान्वित हुयी थी)	16.86% (वित्तीय वर्ष में 2,551 ग्रामो के लक्ष्यों के सापेक्ष 1,000 ग्रामों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्य पूर्ण किये जाने की संभावना है जिनसे 10,000 परिवार (वर्तमान वित्तीय वर्ष म 39.20प्रतिशत) लाभान्वित होंगे। इस प्रकार क्रमिक 2,63,300परिवार (16.86 प्रतिशत) लाभान्वित होने की संभावना है।)	26.46% (वित्तीय वर्ष में कुल 4071 ग्रामोंका लक्ष्य रखा गया है जिसे शत–प्रतिशत पूर्ण करने के प्रयास किये जायेंगे। तथापि अनुमानतः 1,500 ग्रामों में कार्य पूर्ण किये जाने की संभावना है जिससे 15,000परिवार (वर्तमान वित्तीय वर्ष मे 36.85 प्रतिशत) लाभान्वित होंगे। इस प्रकार क्रमिक 4,133 ग्रामों के 4,13,300 परिवार (26. 46 प्रतिशत) लाभान्वित होंगे।	ओ0डी0एफ0 प्लस के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के स्तर को बनाये रखने हेतु ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन कार्यों से दीर्घकालिक स्थायित्व प्राप्त होगा।	31 मार्च 2022

संकेतक–8 :खुले में शौच मुक्त प्रमाणिता जनपदों का प्रतिशत

क्र0 सं 0	योजना	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		1.04.2020 की स्थिति (भौतिक)	31.3.2021 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
1	केन्द्र पोषित– स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)	राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के समस्त शौचालय विहीन परिवारों को व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण से आच्छादित करना।	-	-	100% (आधारभूत सर्वेक्षण –2012 के अनुसार समस्त ग्रामीण परिवारों को व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों से आच्छादित किया गया तथा सम्बन्धित जिलाधिकारियों द्वारा प्रमाण पत्र निर्गत किए जा चुके हैं।	100%	100%	100%	

संकेतक–9 : सामुदायिक शौचालयों के अन्तर्गत शामिल किए गये घरों/परिवारों का प्रतिशत

क्र0 सं 0	योजना	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		1.04.2020 की स्थिति (भौतिक)	31.3.2021 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2020–21	समयसीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
1	केन्द्र पोषित–स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)	ग्रामीण सार्वजनिक स्थलों पर सामुदायिक स्वच्छता काम्पलेक्सों के निर्माण से ग्रामीणों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों तथा floating populationको लाभान्वित करना।	.	.	कुल 681 सामुदायिक शौचालय निर्मित थे जिनसे 68100 ग्रामीण परिवारों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों तथा floating population लाभान्वित हो रही है।	वित्तीय वर्ष में ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक स्थलों/यात्रा रूटों में 2551नये सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किये जाने का लक्ष्य रखा गया है जिनके सापेक्ष 500 प्रगति संभावित है। इस प्रकार 31.3.2021 तक क्रमिक 1181 सामुदायिक शौचालय का निर्माण किया जा सकेगाजिनसे ग्रामीणों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों के साथ–साथ floating population भी लाभान्वित हो सकेगी)	कुल 5757 सामुदायिक शौचालय का निर्माण किये जाने का लक्ष्य है जो कि ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक स्थलों पर निर्मित किये जायेंगे जिनसे ग्रामीणों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों के साथ–साथ floating population भी लाभान्वित हो सकेगी)	राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों के निर्माण से ग्रामीणों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों के साथ–साथ floating population भी लाभान्वित हो सकेगी)	31 मार्च 2022

4. सत्त विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूप

SDG संकेतक	1–4–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31.3.2021 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति)2021–22	परिकल्पित आउटकम (भौतिक स्थिति)2021–22
संकेतक–7.1 : **ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों का ग्रामीण घरों के सापेक्ष प्रतिशत**	99.90 % (राज्य के कुल 1562046 ग्रामीण परिवारों में से 1559287 ग्रामीण परिवार व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण से आच्छादित किए गये हैं।)	100 % (वित्तीय वर्ष 2020–21 में 11914 व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराया जाना संभावित है। इस प्रकार राज्य के कुल 1571201 ग्रामीण परिवार व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों से आच्छादित हो जायेंगे)	100 % (खुले में शौच की प्रथा से मुक्ति के स्थायित्व को बनाये रखने हेतु Retrofitting से सम्बन्धित कार्य कराये जायेंगे।)	100% (खुले में शौच की प्रथा से मुक्ति का स्थायित्व सुनिश्चित किया जा सकेगा।)
संकेतक–7.2 : **राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्यों से लाभान्वित ग्रामीण परिवारों का अनुपात**	10.45 % (राज्य कुल कुल ग्रामीण परिवार 15,62,046 के सापेक्ष क्रमिक1,63,300 परिवार ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्यों से लाभान्वित हुयी थी)	16.86% (वित्तीय वर्ष में 2,551 ग्रामो के लक्ष्यों के सापेक्ष 1,000 ग्रामों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के कार्य पूर्ण किये जाने की संभावना है जिनसे 10,000 परिवार (वर्तमान वित्तीय वर्ष म 39.20 प्रतिशत) लाभान्वित होंगे। इस प्रकार क्रमिक 2,63,300 परिवार (16.86 प्रतिशत) लाभान्वित होने की संभावना है।)	26.46% (वित्तीय वर्ष में कुल 4071 ग्रामों का लक्ष्य रखा गया है जिसे शत–प्रतिशत पूर्ण करने के प्रयास किये जायेंगे। तथापि अनुमानतः 1,500 ग्रामों में कार्य पूर्ण किये जाने की संभावना है जिससे 15,000 परिवार (वर्तमान वित्तीय वर्ष मे 36.85 प्रतिशत) लाभान्वित होंगे। इस प्रकार क्रमिक 4,133 ग्रामों के 4,13,300 परिवार (26.46 प्रतिशत) लाभान्वित होंगे।	ओ0डी0एफ0 प्लस के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के स्तर को बनाये रखने हेतु ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन कार्यों से दीर्घकालिक स्थायित्व प्राप्त होगा।

SDG संकेतक	1–4–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31.3.2021 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति)2021–22	परिकल्पित आउटकम (भौतिक स्थिति)2021–22
संकेतक–8 : खुले में शौच मुक्त प्रमाणिता जनपदों का प्रतिशत	100% (आधारभूत सर्वेक्षण –2012 के अनुसार समस्त ग्रामीण परिवारों को व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों से आच्छादित किया गया तथा सम्बन्धित जिलाधिकारियों द्वारा प्रमाण पत्र निर्गत किए गये।	100%	100%	100%
संकेतक–9 : सामुदायिक शौचालयों के अन्तर्गत शामिल किए गये घरों/परिवारों का प्रतिशत	कुल 681 सामुदायिक शौचालय निर्मित थे जिनसे 68100 ग्रामीण परिवारों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों तथा floating population लाभान्वित हो रही है।	वित्तीय वर्ष में ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक स्थलों/यात्रा रूटों में 4234 नये सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किये जाने का लक्ष्य रखा गया है जिनके सापेक्ष 500 प्रगति संभावित है। इस प्रकार 31.3.2021 तक क्रमिक 1181 सामुदायिक शौचालय का निर्माण किया जा सकेगा जिनसे ग्रामीणों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों के साथ–साथ floating population भी लाभान्वित हो सकेगी)	कुल 5757 सामुदायिक शौचालय का निर्माण किये जाने का लक्ष्य है जो कि ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक स्थलों पर निर्मित किये जायेंगे जिनसे ग्रामीणों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों के साथ–साथ floating population भी लाभान्वित हो सकेगी)	राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों के निर्माण से ग्रामीणों के साथ–साथ यात्रा रूटों के यात्रियों के साथ–साथ floating population भी लाभान्वित हो सकेगी)